(ख) तोड़-फोड़ के मुख्य कारण क्या हैं और इसको रोकने के लिए क्या कार्यवाही की गई है; और

(ग) क्या तोड़-फोड़ के परिणामस्वरूप जान एवं संपत्ति की हानि हुई है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

रेल मन्त्रालय में उप मन्त्री (श्री अजय सिंह) : (क) और (ग) पिछले दो महीनों के दौरान देश के विभिन्न भागों में तोड़-फोड़ के कारण रेलों को 2,97,240 रुपए की हानि होने का अनुमान लगाया गया है । इस अवधि के दौरान किसी की मृत्यु होने की रिपोर्ट नहीं मिली है ।

(ख) आतंकवादियों तथा उग्रवादियों की गतिविधियां बढ़ रही हैं तथा वे रेल संपत्ति को हानि पहुंचाना तथा विनाश का लक्ष्य बनाना आसान समझते हैं । भारतीय रेलों के पास इस समय 61985 कि.मी. रेलपथ ऐसा है जो दु:साध्य भूभाग तथा उजाड़ स्थानों से होकर गुजरता है, इसलिए यह अधिक संवेदनशील है ।

तोड़-फोड़ करने वालों की गतिविधियां रोकने के लिए निम्नलिखित निवारक उपाय किए गए हैं :—

1. प्रभावित क्षेत्रों में गैंगमेनों तथा सशस्त्र कर्मियों द्वारा रेलपथ पर गश्त गहन कर दी गई है ।
2. संरक्षात्मक उपाय करने के लिए राज्य की पुलिस के साथ निकट संपर्क बनाए रखा जा रहा है ।
3. जन उद्घोषणा प्रणाली, क्लोज सर्किट टी. वी. इश्तहारों आदि के माध्यम से यात्रियों को सचेत किया जा रहा है कि वे संदिग्ध वस्तु पर नजर रखें तथा इसके बारे में निकटतम पुलिस या रेल अधिकारी को सूचित करें।
4. जहां कहीं संभव है, भेद्यखंडों/क्षेत्रों में कुत्ता दस्ते तैनात किए जाते हैं।

@@पूर्वत: अतारांकित प्रश्न 3466, 6 सितम्बर 1990 से स्थानान्तरित ।

तिलहन पिराई उद्योग की समस्याएं

@@3731-ख. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में वर्षा की अनिश्चितता के कारण इस वर्ष पुन: तिलहनों के उत्पादन के प्रभावित होने की संभावना है;

(ख) क्या यह भी सच है कि उससे तिलहन पिराई उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में क्या उपचारी उपाय किए जाने का विचार है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री नितिश कुमार) : (क) खरीफ, 1990 के तिलहनों के उत्पादन का अनुमान लगाना अभी संभव नहीं है । गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र और तमिलनाडु के कुछ जिलों के अलावा देश के अधिकतर भागों में मानसून अनुकूल रहा है । तिलहनों की समग्र स्थिति सामान्यतया संतोषजनक बतायी गयी है ।

(ख) तथा (ग) प्रश्न ही नहीं होता है ।

Adoption of Indian Children by Foreigners

3731-C SHRI H. HANUMANTHAPPA :
SHRI VITHALRAO MADHAVRAO IADHAV :

Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) the total number of Indian children adopted by foreigners and taken away from India during the last ten years, country-wise and sex-wise;

(b) what is the arrangement of Government to follow the welfare of these children;

£ Previously Unstarred Question 3373, transferred from the 5th September, 1990.